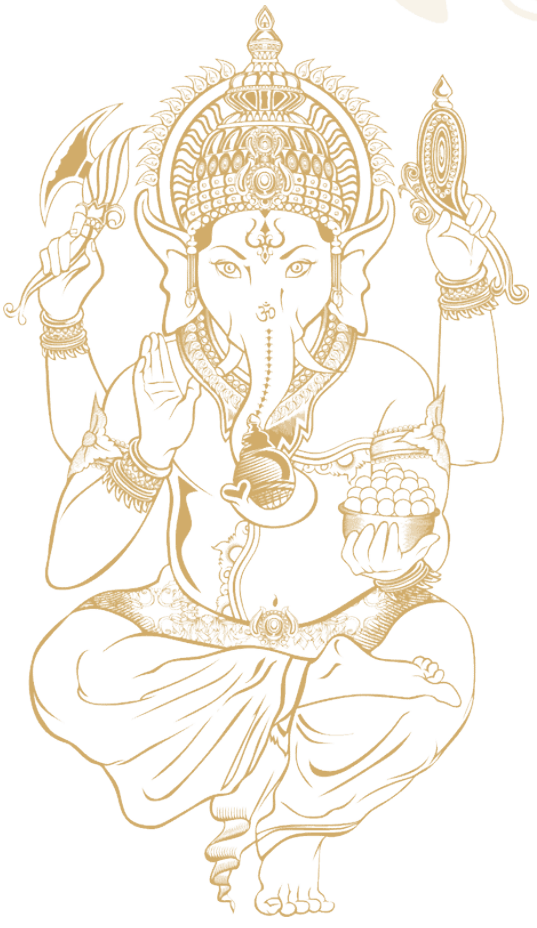

Naveen

Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121442104

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	01/07/1993
गुरुवार	दिन	गुरुवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	21:25:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	41:16:30 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Sikar
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	27:51:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:14:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:29:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	05:36:37
16:55:09	सूर्यास्त	19:28:59
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:46:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 6मा 9दि	29:59:28	मिथु	लग्न	मक	18:01:18	बुध 16वर्ष 2मा 17दि
केतु	20:59:59	तुला	सूर्य	मिथु	16:02:31	शुक्र
18/05/2025	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	17:17:00	17/09/2016
17/05/2032	21:13:20	तुला	मंगल	सिंह	11:04:33	17/09/2036
केतु 14/10/2025	10:43:48	वृश्चि	बुध व	कर्क	04:29:11	शुक्र 18/01/2020
शुक्र 14/12/2026	16:42:54	सिंह	गुरु	कन्या	12:20:33	सूर्य 17/01/2021
सूर्य 21/04/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	वृष	01:34:18	चन्द्र 18/09/2022
चन्द्र 20/11/2027	07:22:28	मक	शनि व	कुंभ	06:11:09	मंगल 18/11/2023
मंगल 17/04/2028	17:29:32	धनु व	राहु	वृश्चि	18:17:54	राहु 18/11/2026
राहु 05/05/2029	17:29:32	मिथु व	केतु	वृष	18:17:54	गुरु 19/07/2029
गुरु 11/04/2030	17:05:41	धनु	हर्ष व	धनु	26:52:24	शनि 17/09/2032
शनि 21/05/2031	20:43:52	धनु	नेप व	धनु	26:16:33	बुध 19/07/2035
बुध 17/05/2032	26:19:23	तुला	प्लूटो व	तुला	29:13:35	केतु 17/09/2036

लग्न-चलित

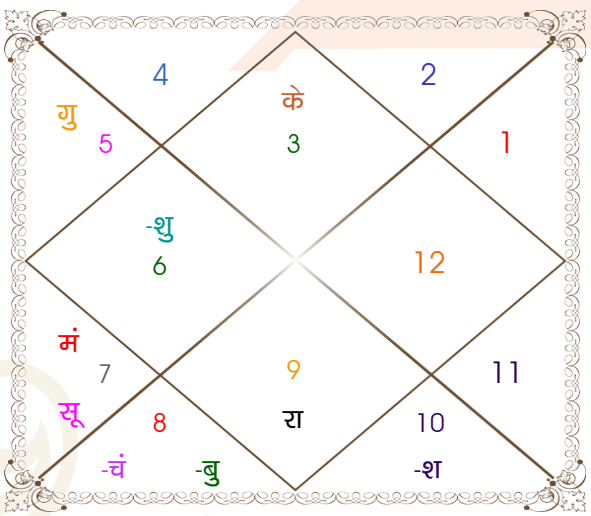

लग्न-चलित

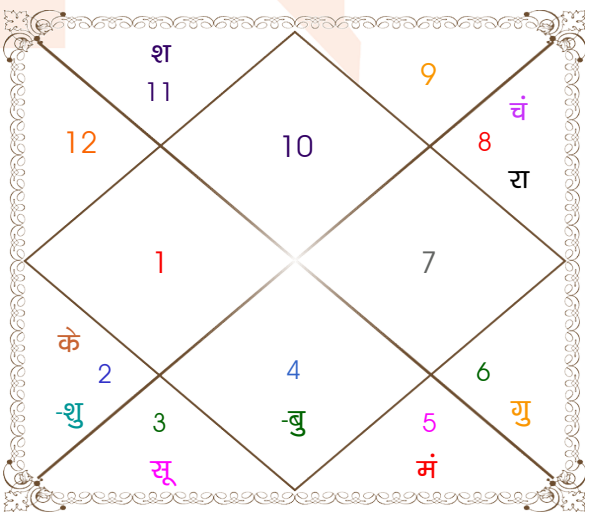

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	31.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Priya का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Priya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Priya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Naveen कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Priya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।